



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 630]
No. 630]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 23, 2000/पौष 2, 1922
NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 23, 2000/PAUSA 2, 1922

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय
(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 2000

सा.का.नि 927 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 294कक की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह राय होने पर कि वनस्पति की मांग, इसके उत्पादन या प्रदाय से तात्त्विक रूप से अधिक है और यह कि एकमात्र विक्रय अभिकर्ताओं की सेवाओं की वनस्पति के लिए किसी बाजार को सृजित करने की आवश्यकता नहीं होगी, इसके द्वारा घोषणा करती है कि एकमात्र विक्रय अभिकर्ताओं को, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए भारत में इसके विक्रय के लिए किसी कंपनी द्वारा नियुक्त नहीं किया जाएगा।

[फा.सं. 5/10/2000-सीएल-V]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st December, 2000

G. S.R. 927(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 294AA of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government, being of the opinion that the demand for Vanaspati is substantially in excess of its production or supply and that the services of the sole selling agents will not be necessary to create a market for Vanaspati hereby declares that sole selling agents shall not be appointed by any company for its sale in India for a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F.No. 5/10/2000-CL.V]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

